नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

## भारत और यूएई के बीच प्रगाढ़ होते संबंध

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के रिश्ते अब केवल कूटनीतिक शिष्टाचार या पारंपरिक मित्रता तक सीमित नहीं रहे हैं. यह साझेदारी तेजी से रणनीतिक आर्थिक गठजोड़ में बदल चुकी है. हालिया उच्च स्तरीय बैठकों और समझौतों ने साफ कर दिया है कि भारत और यूएई के व्यापारिक संबंध अपने स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर चुके हैं. मई 2022 में लागू हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने दोनों देशों के बीच व्यापार की दिशा और गति दोनों बदल दीं थी.

जहां 2020-21 में भारत-यूएई द्विपक्षीय व्यापार लगभग 43.3 बिलियन डॉलर का था, वहीं 2024-25 तक यह आंकड़ा 100 बिलियन डॉलर के पार पहुंच गया. यह केवल संयोग नहीं, बल्कि योजनाबद्ध नीतिगत फैसलों का परिणाम है. इस समझौते के तहत भारतीय रत्न और आभूषण, कपड़ा, कृषि उत्पाद और इंजीनियरिंग सामान को यूएई के बाजार में रियायती या शून्य शुल्क पर प्रवेश मिला. इससे भारतीय निर्यातकों को नया भरोसा और नया बाजार दोनों मिले.19 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान की बैठक ने इस साझेदारी को और ऊंचा लक्ष्य दिया. दोनों देशों ने 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी संकल्प लिया. यह लक्ष्य केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस रणनीति दिखाई देती है. भारत मार्ट, वर्चुअल व्यापार गलियारा और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने जैसे प्रोजेक्ट्स इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं.

राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद की हाल ही की भारत यात्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि आर्थिक सहयोग अब ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष और बुनियादी ढांचे तक फैल चुका है. ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस के बीच हुआ तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति समझौता भारत की दीर्घकालिक जरूरतों को सुरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम है. 2026 से अगले 10 वर्षों तक सालाना 0.5 मिलियन टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति भारत की ऊर्जा रणनीति को मजबूती देगी.

रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग पर हुए आशय पत्र दोनों देशों के बीच भरोसे की गहराई को दर्शाते हैं. यह साझेदारी केवल हथियार खरीद या तकनीकी सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि संयुक्त विकास और वाणिज्यिक अवसरों की ओर बढ़ रही है. गुजरात के धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र में यूएई की संभावित भागीदारी भी इसी सोच का हिस्सा है. एयरपोर्ट, पोर्ट और स्मार्ट टाउनशिप जैसे प्रोजेक्ट भारत के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं. नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की सहमति यह संकेत देती है कि भारत और यूएई अब दीर्घकालिक और संवेदनशील क्षेत्रों में भी एक-दूसरे पर भरोसा करने को तैयार हैं. पिछले दस वर्षों में राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद की यह पांचवीं भारत यात्रा है. यह आवृत्ति अपने आप में इस रिश्ते की गंभीरता और प्राथमिकता को दर्शाती है.

आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं से गुजर रही है, भारत और यूएई की यह साझेदारी स्थिरता, भरोसे और साझा विकास का मॉडल बनकर उभर रही है. यदि घोषित लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह गठजोड़ न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि व्यापक एशिया और खाड़ी क्षेत्र के आर्थिक संतुलन के लिए भी निर्णायक साबित हो सकता है.

# साधारण कार्यकर्ता को असाधारण सम्मान

कृष्णमोहन झा

**बिहार** के पांच बार के विधायक नवीन नितिन विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के 12 वें अध्यक्ष बन गए हैं. 45 वर्षीय नवीन नितिन ने पार्टी के अब तक के इतिहास में सबसे कम आयु में यह गौरव अर्जित किया है. लगभग एक माह पूर्व जब उन्हें पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया था तभी यह सुनिश्चित हो चुका था कि वे जल्द ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर जे पी नड्डा के उत्तराधिकारी बनने जा रहे हैं और यह भी तय माना जा रहा था कि पार्टी में अब तक चली आ रही परिपाटी के अनुसार अध्यक्ष पद पर उनका निर्वाचन निर्विरोध होगा.

> इसी साल होने वाले तमिलनाडु,केरल और पुडुचेरी की विधानसभाओं के चुनावों को भी उन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार करना होगा. तमिलनाडु में द्रमुक और कांग्रेस का गठबंधन सत्ता में है. केरल में वाममोर्चे की सरकार है. केरल के तिरुवनंतपुरम में भाजपा को पहली बार अपना मेयर बनवाने में सफल होकर उत्साह से भरी हुई है. भाजपा केरल में कांग्रेस और वाममोर्चे के बाद तीसरी ताकत बनने की तैयारी कर रही है और तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक तथा अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल कर कांग्रेस और द्रमुक के गठबंधन को कड़ी चुनौती पेश कर रही है . पुडुचेरी में इसी तरह की स्थितियां हैं. उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी चुनाव भी भाजपा के नये अध्यक्ष के ही कार्य काल में संपन्न होंगे. उत्तर प्रदेश में भाजपा को अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा अर्जित करना है. इन सबके अलावा नवीन नितिन के कंधों पर यह जिम्मेदारी भी है कि उन्हें एनडीए के सभी घटक दलों के बीच तालमेल बना कर रखना है .नवीन नितिन युवा हैं, उत्साह से लबरेज हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद उनके साथ है इसलिए उनसे यह उम्मीद की जा सकती है कि वे पार्टी अध्यक्ष के रूप में अपनी अलग लकीर खींचने में कामयाब होंगे.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी के निवर्तमान अध्यक्ष जे पी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उनके प्रस्तावकों में प्रमुख थे. लगभग 18 करोड़ सदस्य संख्या वाले ? विशाल राजनीतिक दल के अध्यक्ष का निर्विरोध निर्वाचन निश्चित रूप से दल की महान परंपरा का परिचायक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नितिन नबीन को इन शब्दों में बधाई देना कि पार्टी से जुड़े मामलों में आज से नितिन नबीन मेरे बास हैं. अब वे मेरी सी आर लिखेंगे इस बात का परिचायक है कि वे संगठन को सत्ता से ऊपर मानते हैं और पार्टी अध्यक्ष के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान है. अध्यक्ष पद के लिए अनेक वरिष्ठ नेताओं को छोड़कर 45 वर्षीय नबीन नितिन के चयन ने संभवत: अनेक राजनीतिक पंडितों को आश्चर्यचकित किया होगा क्योंकि पार्टी के हाईप्रोफाइल नेताओं की कतार में उनका नाम पहले कभी नहीं सुना गया .

भाजपा अध्यक्ष पद की कुर्सी संभालने के बाद उन्होंने स्वयं कहा कि साधारण कार्यकर्ता को असाधारण सम्मान मिला है. ऐसा प्रतीत होता है कि नबीन नितिन की विलक्षण नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक सूझबूझ सहित शीर्ष पद के लिए उनके चयन का आधार बनी है . उनकी यह विलक्षण नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक सूझबूझ निकट भविष्य में होने जा रहे पश्चिम बंगाल और असम विधानसभाओं के चुनावों में पार्टी की संभावनाओं को बलवती बनाएगी. इसमें भी दो राय नहीं हो सकती कि संगठन के प्रति उनके समर्पण और सबको साथ लेकर चलने की उनकी कार्यशैली ने उन्हें पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं का विश्वासपात्र बनाया है. विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने अगर अध्यक्ष पद की बागडोर 45 वर्षीय नवीन नितिन को सौंपने का फैसला किया है तो उसे पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव की शुरुआत का संकेत भी माना जाना चाहिए. गौरतलब है कि विगत दिनों पार्टी के एक भूतपूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में मोदी सरकार के वरिष्ठ सदस्य नितिन गडकरी ने भी पार्टी में नयी पीढ़ी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाने के पक्ष में अपनी राय व्यक्त की थी.

पार्टी संविधान के अनुसार नवीन नितिन अगले तीन सालों के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं और अगले कुछ महीनों के अंदर ही उनके नेतृत्व कौशल , चुनावी रणनीतिक सूझबूझ का इम्तिहान शुरू होने जा रहा है. एक ओर जहां उन्हें असम विधानसभा चुनाव में पार्टी की लगातार तीसरी बार विजय? सुनिश्चित करना है वहीं पश्चिम बंगाल में पार्टी को सत्ता की दहलीज तक पहुंचाने की चुनौती भी उनके सामने है. असम में तो भाजपा पिछले दो विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल कर सत्ता की बागडोर थामे हुए है लेकिन पश्चिम बंगाल में उसकी ताकत बढ़ने के बावजूद उसे सत्ता की दहलीज तक पहुंचने का सौभाग्य नहीं मिल पाया है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां पिछले पंद्रह सालों से सत्तारूढ तृणमूल कांग्रेस का सबसे बड़ा चेहरा बनीं हुईं हैं. हालांकि पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों एवं महिलाओं पर अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि आदि के कारण दीदी की लोकप्रियता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है.

**( लेखक राजनैतिक विश्लेषक है )**

दिल्ली डायरी

# नवीन युग में भाजपा का हुआ प्रवेश

प्रवेश कुमार मिश्र

**भाजपा** अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन की नियुक्ति के साथ राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अब भाजपा नवीन युग में प्रवेश कर गई है यानी वरिष्ठों की सरपरस्ती में अपेक्षाकृत युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए पार्टी रणनीतिकारों ने जहां एक तरफ जाति आधारित वोटबैंक के समीकरण को अप्रभावी कर दिया है वहीं दूसरी ओर वरिष्ठता व अनुभव के उपर सौम्यता व वचनबद्धता को महत्व देकर दूरगामी संदेश दिया है.

दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में भाजपा के इस दौर को नवीन युग की उपमा देते हुए कहा जा रहा है कि हमेशा अपने निर्णयों से चौंकाने वाली भाजपा ने इस बार अन्य दलों के सामने एक बड़ी लकीर खींच कर आत्म अवलोकन करने को बाध्य कर दिया है.

### जमीन से जुड़कर जमीनी ताकत बढ़ाने की तैयारी में राजद

बिहार विधानसभा चुनाव में जबरदस्त सियासी पटखनी खाने के बाद राजद रणनीतिकारों को अपनी खोई जमीन याद आने लगी है. संभवत: इसी वजह से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अपने पुत्र व युवा नेता तेजस्वी यादव को एक बार फिर से जमीन से जुड़कर जमीनी ताकत बढ़ाने की सलाह दी है.

चर्चा है कि विदेश दौरे से लौटने के बाद दिल्ली में पारिवारिक परिचर्चा और रणनीतिक मंथन के बाद राजद ने एक बार फिर अपने वोटबैंक को साधने की रणनीति बनाई है. संभवत: इसी वजह से बिहार में सरकार व विपक्ष की ओर से यात्रा आरंभ कर जनसरोकार पर चर्चा को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने लगी है.

### बेअसर ठाकरे व पवार परिवार की एकजुटता

मुम्बई महानगर पालिका व महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में हुए स्थानीय निकाय चुनाव के पहले जिस तरह से महाराष्ट्र के दो दिग्गज राजनीतिक परिवार यानी उद्धव ठाकरे व राज ठाकरे तथा शरद पवार व अजित पवार के बीच पारिवारिक व राजनीतिक एकजुटता सामने आई उसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा था कि महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ बड़ा फेरबदल होने वाला है लेकिन भाजपाई रणनीतिकारों की ठोस रणनीति के आगे पारिवारिक एकजुटता भी निष्प्रभावी साबित हो गई .

हालांकि कुछ लोग कह रहे हैं कि चुनाव परिणाम से चाहे जैसा भी संदेश निकला हो लेकिन असली शिवसेना के रूप में उद्धव ठाकरे गुट को ही स्वीकृति मिली है.

## मझधार में फंसा इंडिया गठबंधन की नाव

इंडिया गठबंधन की नाव धीरे धीरे मझधार में फंसकर अपने भविष्य की चिंता में परेशान है. क्योंकि इस गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं ने जिस तरह से अपने आप पर केंद्रित राजनीति को आगे बढ़ाने का प्रयास आरंभ किया उससे साफ है कि अब न तो गठबंधन का नेतृत्व बचेगा और न ही अस्तित्व का पता चलेगा. हालांकि कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ रणनीतिकार इंडिया गठबंधन को बचाने के लिए दक्षिण भारतीय राज्यों के सहयोगियों के साथ वैचारिक विमर्श कर रहे हैं लेकिन उत्तर प्रदेश व बिहार की राजनीति में दबदबा रखने वाले सपा व राजद नेताओं ने जिस तरह से अपने आप को अलग-थलग कर अपनी ताकत को बढ़ाने का प्रयास आरंभ किया है उससे इस गठबंधन के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ी है.

# मृत्युभोज परंपरा पर मंथन करे समाज

**आज** जब समाज दिखावे, अनावश्यक खर्च और बाहरी प्रभावों से अपनी परंपराओं को बचाने की बात कर रहा है, तब यह प्रश्न और भी गंभीर हो जाता है कि मृत्यु भोज जैसी प्रथा अब भी लगभग हर समाज में क्यों जीवित है. हाल ही में छत्तीसगढ़ साहू समाज द्वारा रायपुर में हुए समाज बैठक में प्री-वेडिंग शूट पर प्रतिबंध लगाया गया. तर्क स्पष्ट था कि यह परंपरा नहीं, बल्कि बाहरी दिखावा है. इससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है और विवाह जैसे संस्कार की सादगी खत्म होती है. यह निर्णय सामाजिक चेतना और समयानुकूल सुधार का उदाहरण माना जा रहा है. लेकिन इसी समाज में, बल्कि लगभग हर समाज में, आज भी एक ऐसी परंपरा मजबूती से कायम है, जो खुशी में नहीं, सबसे बड़े दुख के समय निभाई जाती है 'मृत्यु भोज'. सवाल परंपरा का नहीं, विवेक का है. मृत्यु किसी भी परिवार के लिए सबसे पीड़ादायक क्षण होता है. उस समय परिवार मानसिक, भावनात्मक और कई बार आर्थिक रूप से भी टूट चुका होता है. ऐसे समय में समाज द्वारा यह अपेक्षा करना कि शोकाकुल परिवारगांव, रिश्तेदारों और समाज के लोगों को बुलाकर भोजन कराए. यह किस तरह से जायज ठहराया जा सकता है? यह कैसी विडंबना है कि खुशी के मौके पर दिखावे को गलत कहा जा रहा है, लेकिन दुख के मौके पर खर्च को परंपरा का नाम दिया जा रहा है. कहा जाता है कि मृत्यु भोज सामाजिक सहयोग का प्रतीक है. लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है. आज मृत्यु भोज सामाजिक दबाव, लोक-लाज और 'समाज क्या कहेगा' की मानसिकता का रूप ले चुका है. कई गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज लेकर, जेवर गिरवी रखकर या उधार मांगकर, जमीन बेचकर मृत्यु भोज कराते हैं. सवाल यह है कि क्या यह सहयोग है या शोषण ? यदि समाज सच में सहयोग करना चाहता है, तो भोजन की अपेक्षा छोड़कर, आर्थिक, मानसिक और भावनात्मक सहारा क्यों नहीं देता. हर परंपरा तब तक सम्मान योग्य है, जब तक वह मानवता के पक्ष में हो. जब कोई परंपरा दुख को और गहरा करे, परिवार को कर्ज में डाले और शोक को औपचारिकता में बदल दे, तो उस परंपरा पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है. **-मुकेश**

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

# संघ शाखा में केवल संस्कार इनकमिंग से बीजेपी का विस्तार

**प**ड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, आरएसएस से बचपन से जुड़े जिन निष्ठावान स्वयंसेवकों ने बीजेपी के माध्यम से राजनीति की राह चुनी है, उन्हें बहुत अखर रहा है कि पार्टी में अन्य दलों के लोगों की इनकमिंग को क्यों बढ़ावा दिया जा रहा है? ऐसे बाहरी लोग जिनमें संघ के बुनियादी संस्कार नहीं हैं उन्हें क्यों बीजेपी में एंट्री देकर सिर पर चढ़ाया जा रहा है? अपने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और बाहर से आए लोगों का स्वागत उन्हें बिल्कुल जंच नहीं रहा.'

हमने कहा, 'प्रैक्टिकल राजनीति में ऐसी संकुचित सिद्धांतवादी बातें नहीं चलतीं. अपना राजनीतिक बेस या आधार मजबूत करने के लिए दूसरी पार्टी के लोगों को शामिल करना पड़ता है. उन्हें चुनाव में टिकट और पद भी देने पड़ते हैं. यह पोलिटिकल नेसेसिटी है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज संघ में सिखाया जाता है कि पहले राष्ट्र, फिर समाज, फिर परिवार और अंत में स्वयं का विचार करो. बीजेपी में ऐसे अवसरवादी तत्वों की घुसपैठ को क्यों बढ़ावा दिया जा रहा है जो कभी संघ की शाखा में नहीं गए, गणवेश नहीं पहना और बौद्धिक नहीं सुना?'

हमने कहा, बीजेपी ने पहले भी ऐसा कियाहै. शत्रुघ्न सिन्हा, यशवंत सिन्हा, जसवंत सिंह, अरुण शौरी जैसे लोगों को केंद्र में मंत्री बनाया गया जिनका आरएसएस से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं था. अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार में तो फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना को विदेश राज्यमंत्री बनाया गया था. जब शुरुआत से निकली पतली धारा को प्रचंड प्रवाह बनना पड़ता है तो अनेक नदियों से संगम करना पड़ता है. दूसरी पार्टियों को आपरेशन लोटस के तहत तोड़फोड़ कर सरकार बनानी पड़ती है. कुछ को जांच एजेंसियों से डराकर साथ में लाना पड़ता है. अपनी पकड़ मजबूत रखकर दूसरों से समझौते करने पड़ते हैं. राजनेता कोई साधु-संत नहीं होते. बीजेपी चाणक्य नीति पर चलकर अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रही है. अटलबिहारी ने भी 24 पार्टियों की मिलीजुली सरकार चलाते समय 'तन भी हिंदू मन भी हिंदू' कहा था. वह खान-पान और बोलचाल में मस्तमौला थे. दत्तोपंत ठेंगड़ी, नानाजी देशमुख और गोविंदाचार्य को वाजपेयी की कार्यशैली पसंद नहीं थी. कल्याणसिंह भी वाजपेयी के खिलाफ थे लेकिन वाजपेयी नई सोच रखकर कहते थे- काल के कपाल पर लिखता-मिटाता हूं, गीत नया गाता हूं!'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

## CROSS WORD 12149 -डॉ.सागर खादीवाला

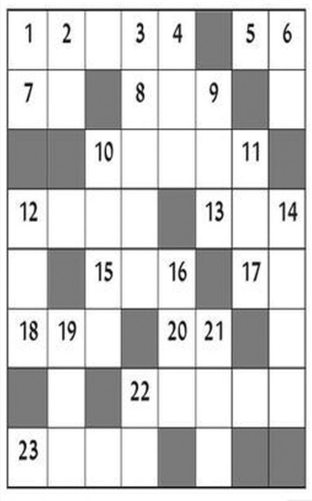

**ऊपर से नीचे**

6. हत्या, वध (उर्दू) 9. किसी वस्तु या स्थान की लंबाई-चौड़ाई निश्चित करना, मापना 10. मूर्ख 1. उपद्रव, झगड़ा-फसाद 2. शाख 3. क्रांतिकारी परिवर्तन, एक शरीर या रूप को दूसरे शरीर या रूप में पलटना 4. रिक्त होना, खाली करना (उर्दू) 11. पति की बहन 12. प्रयत्न, प्रयास, चेष्टा 14. समर्थन करने वाला 16. बबूल नामक वृक्ष 19. रूई आदि का भरा वह थैला जो सोने के समय सिर के नीचे रखते है 21. सहायता 22. घूंट-घूंट करके किसी द्रव्य पदार्थ को गले के नीचे उतारना, पीना, तांबल

**बाएं से दाएं**

1. वह राजकीय अधिकारी जिसे फौजदारी के मुकदमे सुनने और शासन प्रबंध का अधिकार होता है 5. व्यसन, चस्का (उर्दू) 7. कपोल 8. पीड़ा, कष्ट 10. आत्मीयता 12. हल्ला, शोरगुल 13. सास की माता 15. छोटा मटका 17. प्राण, सांस 18. सौ का समूह 20. अल्प, थोड़ा 22. जिसके सामने या बीच में रहने पर भी उस पार की वस्तु दिखाई दे सके 23. उजाड़ जगह, सुनसान मैदान, जंगल

**Solution 12148**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मि | न | मि | ना | ना | ■ | भा | प |
| च | र | स | ■ | श | रा | र | ती |
| ली | क | ■ | सू | पा | ■ | धा | र |
| ■ | ■ | आ | र | ती | ■ | र | ■ |
| मू | ल | भू | त | ■ | नौ | क | र |
| त्य | ■ | ष | ■ | र | सा | ■ | क्का |
| वा | र | ण | ■ | म | द | र | सा |
| न | थ | ■ | सु | ना | र | ■ | ■ |

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यवसाय में लाभ होगा, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, यात्रा का योग है, वर्ष के मध्य में नारी पक्ष से सहयोग मिलेगा, आर्थिक लाभ होगा, किसी विशेष कार्य से लाभांवित होने का अवसर प्राप्त होगा, वर्ष के अन्त में सिर दर्द अनिद्रा जैसे रोगों से कष्ट हो सकता है, जल्दबाजी में वाहन न चलायें, तनाव रहेगा, घरेलू कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभांवित होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को घरेलू कार्यों में नारी पक्ष से आर्थिक संकट हो सकता है, कर्क राशि के व्यक्तियोंको व्यस्तता रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को सिर दर्द अनिद्रा जैसे रोगों से कष्ट हो सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है, मकर और कुंभराशि के व्यक्तियों को रूकावटों के बाद सफलता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को कार्य में व्यस्तता रहेगी.

### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, हंसमुख, मिलनसार होगा. शिक्षा में अग्रणी होगा. नौकरी या पैतृक कार्यो में संलग्नता रहेगी. मेहनत अधिक करेगा. माता पिता का भक्त होगा.

### उदयकालीन ग्रह चाल

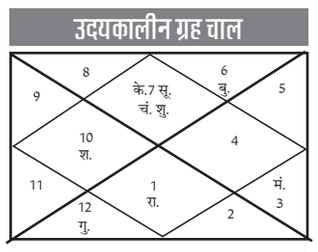


### पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2082 माघ शुक्ल चतुर्थी गुरूवासरे रात 1/17, शतभिषा नक्षत्रे दिन 1/56, वरीयान योगे शाम 5/26, वणिज करणे सू.उ. 6/39, सू.अ. 5/21, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

### व्यापार भविष्य

माघ शुक्ल चतुर्थी को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी, किन्तु आज मंदी पर गेंहूँ, चना में तेजी का रूख रहेगा. तिलहन में तेजी का योग है. सफेद रंग की वस्तुओं में अचानक तेजी होगी. भाग्यांक 5719 है.

**मेष**- अपूर्ण समाचारों पर लिये गये फैसले से नुकसान होगा. वैभव विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा.सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा.

**वृषभ**- सुख सुविधा के सामानों पर बड़े खर्च की संभावना है. दौड़धूप में सफलता मिलेगी. सुख सुविधा एवं आनन्द की अनुभूति होगी. कुछ कार्यों में परेशानी आ सकती है.

**मिथुन**- प्रापर्टी संबंधी विवादों के समाधान से राहत मिलेगी. कोर्ट कचहरी के कार्यों में विलंब होगा. सुख शांति में कमी होगी. कम लाभ में भी संतोष बना रहेगा.

**कर्क**- आपका झुकाव परिवार की ओर कुछ ज्यादा ही रहेगा, जिससे कार्य स्थल की व्यवस्था बिगड़ सकती है. कार्य कुशलता से बड़े बड़े काम बनेंगे.

**सिंह**- मांगलिक कार्यों में खर्च की संभावना बन सकती है. व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें. सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. जीवनसाथी के सहयोग से लाभ होगा.

**कन्या**- तनाव के चलते सेहत बिगड सकती है. शुभ समाचारों के मिलने का योग है. नौकरी में अधिकारियों के कोप का सामना करना पड़ेगा.

**तुला**- अपनी मेहनत को बेकार होते देखना खिन्नता पैदा करेगा, किसी व्यक्ति की सलाह आपके कार्यों को गति देगा. लाभप्रद सूचना मिलेगी.

**वृश्चिक**- भावनाओं में बहकर आप परिवार को विरोधी बना लेंगे, जोखिम के कार्यों में रूचि बढेगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

**धनु**- अपनी बात समझाने में नाकाम रहेंगे, और संबंधों में दूरियां बढ़ सकती हैं. अनावश्यक कार्यों में समय एवं धन खर्च होगा. श्रम की अधिकता रहेगी.

**मकर**- शारीरिक कष्ट एवं मानसिक परेशानी दूर होगी. आर्थिक लाभ का योग है. कामकाजी महिलाओं को कार्य अधिक करना होगा.

**कुम्भ**- कार्य का चिन्तन तनाव का कारण बन सकता है. व्यापारिक सौदेबाजी में सावधानी रखें. कुटुम्बियों के कार्यों को पूरा करने में व्यस्तता रहेगी.

**मीन**- योजनाओं में बदलाव करके अच्छा लाभ कमा सकते हैं .दुविधा से हटकर कार्य करें. पूँजी लगाने में सावधानी रखें. मांगलिक कार्य बनेंगा. संयम रखें.

## SUDOKU 7281

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | 9 | | 6 | 1 | | 8 |
| 6 | 8 | | | | | | | |
| | 1 | 7 | 3 | 8 | | 4 | | |
| 3 | 4 | | 6 | | 7 | | | 9 |
| 5 | | 1 | 8 | | | 2 | | 7 |
| 2 | | | 5 | | 1 | | 8 | 4 |
| | | 3 | | 7 | 5 | 8 | 6 | |
| | | | | | | | 9 | 5 |
| 7 | | 6 | 2 | | 8 | | | 1 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

**नवभारत सू-दोकू 7280**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 |
| 4 | 5 | 3 | 2 | 1 | 7 | 9 | 8 | 6 |
| 7 | 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 5 | 3 |
| 8 | 2 | 5 | 6 | 9 | 1 | 3 | 4 | 7 |
| 3 | 6 | 4 | 7 | 2 | 5 | 8 | 1 | 9 |
| 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 4 | 5 | 6 | 2 |
| 5 | 4 | 1 | 9 | 7 | 2 | 6 | 3 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 4 | 8 | 7 | 9 | 5 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 6 | 3 | 4 | 2 | 1 |